शाहजहाँपुर महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ का शुभारंभ और महिला डेरी सहकारिता जागृति अभियान कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, आणंद तथा प्रादेशिक को-ऑपरेटिव डेरी फैडरेशन, पराग डेरी द्वारा गन्ना शोध संस्थान के सभागार में 11 अक्तूबर 2018 को शाहजहाँपुर महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ का शुभारंभ एवं महिला डेरी सहकारिता जागृति अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर श्रीमती कृष्णा राज, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, माननीय दुग्ध विकास मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार तथा श्री सुरेश खन्ना, माननीय शहरी विकास मंत्री, भारत सरकार मौजूद थे। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री दिलीप रथ और कार्यपालक निदेशक श्री संग्राम चौधरी तथा डॉ. सुधीर बोबड़े, प्रमुख सचिव, दुग्ध विकास एवं पशुपालन उपस्थित थे। पूरे जिले से आए लगभग 500 किसान भाइयों एवं बहनों ने इस कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराई।

इस कार्यक्रम के दौरान शाहजहाँपुर महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ का शुभारंभ श्रीमती कृष्णा राज द्वारा किया गया। इस दुग्ध संघ का निर्माण 1 सितंबर 2018 को हुआ। यह संघ पूरे उत्तर प्रदेश का पहला महिला दुग्ध संघ है। किसानों को संबोधित करते हुए श्रीमती कृष्णा राज ने बताया कि इस संघ के माध्यम से इस क्षेत्र के डेरी किसानों को उनके द्वारा उत्पादित किए जा रहे दूध की बिक्री के लिए बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। इस संघ के माध्यम से हर गांव में सहकारी समिति स्थापित की जाएगी, जिसके माध्यम से किसानों से दूध उनके गांवों में ही खरीदा जा सकेगा।

दूध की खरीद में पारदर्शिता लाने के लिए समितियों में अत्याधुनिक तकनीक वाले डीपीएमसीयू लगाए जाएंगे, जिसके माध्यम से दूध की जांच किसान के सामने कर उसे उसकी पर्ची वहीं पर दी जाएगी। इसी प्रकार गावों में दूध को ठंडा करने के लिए बल्क मिल्क कूलर को स्थापित करने की योजना है जिससे गाँव स्तर पर ही दूध को ठंडा किया जा सकेगा। इन सभी प्रयासों से न केवल किसानों को फायदा मिलेगा, बल्कि शहरी दूध उपभोक्ताओं के लिए भी पराग ब्रांड के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता का दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थ उपलब्ध होगा। गांवों में गठित महिला समितियों में सदस्य केवल महिलाएं ही होंगी तथा उसके संचालन की पूर्ण ज़िम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। इस प्रकार से महिलाओं को सहकारिता की पद्धति से व्यवसाय करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके लिए आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण का मार्ग प्रशस्त होगा।

एनडीडीबी के अध्यक्ष श्री दिलीप रथ ने कहा कि भारतीय डेरी उद्योग में महिलाओं के महत्व को कम नहीं आंका जा सकता। देश के अधिकांश क्षेत्रों में गायों और भैंसों के रख-रखाव, उन्हें चारा देने तथा दूध दुहने का महत्वपूर्ण कार्य महिलाएं ही